मधुराष्टकम्: अधरं मधुरं वदनं मधुरं

मधुराष्टकम्: अधरं मधुरं वदनं मधुरं
(Madhurashtakam Adhram Madhuram Vadnam Madhuram)

अधरं मधुरं वदनं मधुरं नयनं मधुरं हसितं मधुरं ।
हृदयं मधुरं गमनं मधुरं मधुराधधपते रखिलं मधुरं ॥१॥

वचनं मधुरं चररतं मधुरं विनं मधुरं वसलतं मधुरं ।
चसलतं मधुरं भ्रसमतं मधुरं मधुराधधपते रखिलं मधुरं ॥२॥

वेणुमधुरो रेणुमधुरः पाखणमधुरः पादौ मधुरौ ।
नृत्यं मधुरं ि◌ख्यं मधुरं मधुराधधपते रखिलं मधुरं ॥३॥

गीतं मधुरं पीतं मधुरं भुक्तं मधुरं ि◌ुप्तं मधुरं ।
रूपं मधुरं ततलकंमधुरं मधुराधधपते रखिलं मधुरं ॥४॥

करणं मधुरं तरणं मधुरं हरणं मधुरं रमणं मधुरं ।
वसमतं मधुरं शसमतं मधुरं मधुराधधपते रखिलं मधुरं ॥५॥

गुञ्जा मधुरा माला मधुरा यमुना मधुरा वीची मधुरा ।
ि◌सललं मधुरं कमलं मधुरं मधुराधधपते रखिलं मधुरं ॥६॥

गोपी मधुरा लीला मधुरा युक्तं मधुरं मुक्तं मधुरं।
दृष्टं मधुरं ि◌ृष्टं मधुरं मधुराधधपते रखिलं मधुरं ॥७॥

गोपा मधुरा गावो मधुरा यष्टमधुरा ि◌ृष्टमधुरा ।
दसलतं मधुरं फसलतं मधुरं मधुराधधपते रखिलं मधुरं ॥८॥

मधुराष्टकम्: अधरं मधुरं वदनं मधुरं का अर्थ
(Meaning of Madhurashtakam Adhram Madhuram Vadnam Madhuram)

कृष्ण केहोंठ मधुर हैं, उनका चेहरा मधुर है, उ
नकी आंिेंमधुर हैं और उनकी मुस्कान मधुर है।
कृष्ण का हृदय मधुर है और उनकी चाल मधुर है,
मधुरता केभगवान केबारे में िब कुछ मधुर है॥1॥

कृष्ण केशब्द मधुर हैं, उनका चररत्र मधुर है,
उनकेवस्त्र मधुर हैं और उनकी मुद्रा मधुर है।
कृष्ण की गतत मधुर है और उनकी ववचरण मधुर है,
मधुरता केभगवान केबारे में िब कुछ मधुर है॥2॥

कृष्ण की बांिुरी बजाना मधुर है, उनकी चरण-धूसल मधुर है,
उनकेहाथ मधुर हैं और उनकेचरण मधुर हैं।
कृष्ण का नृत्य मधुर है और उनका िाथ मधुर है,
मधुरता केभगवान केबारे में िब कुछ मधुर है॥3॥

कृष्ण का गाना मधुर है, उनका पीना मधुर है,
उनका िाना मधुर है और उनकी नींद मधुर है।
कृष्ण का िुंदर रूप मधुर है और उनका 'ततलक' मधुर है,
मधुरता केभगवान केबारे में िब कुछ मधुर है॥4॥

कृष्ण केकम मधुर हैं, उनकी ववजय मधुर है,
उनकी चोरी मधुर है और उनकी प्रेम-क्रीडा मधुर है।
कृष्ण का उत्िाह मधुर है और उनका ववश्राम मधुर है,
मधुरता केभगवान केबारे में िब कुछ मधुर है॥5॥

कृष्ण का गुंजा-बेरी हार मधुर है, उनकी माला मधुर है,
उनकी यमुना नदी मधुर है और उनकी यमुना की लहरें मधुर हैं।
कृष्ण की यमुना का पानी मीठा है और उनकेकमल केफूल मीठे हैं,
समठाि केभगवान केबारे में िब कुछ मीठा है॥6॥

कृष्ण की गोवपयाँ मधुर हैं, उनकी लीला मधुर है,
उनका समलन मधुर है और उनका उद्धार मधुर है।
कृष्ण की दृष्ट मधुर है और उनका सशष्टाचार मधुर है,

मधुरता केभगवान केबारे में िब कुछ मधुर है॥7॥

कृष्ण केगोप मधुर हैं, उनकी गायें मधुर हैं,
उनकी छडी मधुर है और उनकी रचना मधुर है।
कृष्ण का तोडना मधुर है और उनका फसलत होना मधुर है,
मधुरता केभगवान केबारे में िब कुछ मधुर है॥8॥